A–BRL–M–NBJC

C.S.(M) 2013

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in **Maithili** unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

Q.1. **प्रत्येक विषय पर 300 शब्दमे निबंध लीखू :—** **50×2=100**

Q. 1(a) व्यक्ति कृतिसँ जीबैत अछि, जीवनकालसँ नहि। 50

Q. 1(b) समय पर न्याय मिलने बिना कोनो समाज स्थिर नहि रहि सकैत अछि। 50

Q.2. **निम्नलिखित अंशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ू आ तकरे आधार पर निम्नांकित प्रश्नक स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त उत्तर दिअ :—** **6×10=60**

"पत्रकारक वैचारिक मतभिन्नता प्रशासन लेल सुविधाजनक साधन अछि। एकर अर्थ ई जे प्रेसशक्तिक स्वर विविधताक कारणेँ छिड़िआ गेल छैक, बंटि गेल छैक। जोरसँ बाजब महत्वपूर्ण नहि, श्रोताक संख्या जकरा सुनाओल जाइत छैक, से समाचार पत्रक प्रभावी होयबाक सही मापदण्ड छैक। प्रेस-शक्ति एकटा कपट/छलावा थिकै और ई ने त समाचार पत्रक बिकीसँ पाइ कमाइ बलाक थिकै, आ, ने त ओकर जे सर्वाधिक प्रचार-प्रसारक बल पर अर्थ कमाइ अछि। प्रचार-प्रसारमे योगदान जनता द्वारा देल जाइत छैक आ, एही दुर्बलताक लाभ ओ उठबैत अछि आ तकरा बढ़ावा दैत छैक। सिनेमाक बौक्स-आफिस अपील लेल ई आवश्यक छैक। सिनेमा हौल धरि दर्शककेँ धीच क' ल' जायबला चरित्र बहुमुखी होइत छैक जे दर्शक केँ देखाओल जाइछ। सिनेमाक

व्यावसायिक सफलता बिल्कुल अलग छैक, ओकर अपूर्वता आ संगहि कलात्मकता आ इन्स्ट्रूमेंटलक सटीक प्रदर्शनक सन्दर्भमे। फिल्मक बनावट/सजावट प्रशंसाक हकदार छैक जे सामान्य दर्शकसँ प्राप्त नहि होइत छैक। ई प्राप्त होइत छैक, आ से भेटैत छैक खास-विशिष्ट दर्शकसँ, जकर संख्या कम छैक। एहि खास विशिष्ट व्यक्तिक चुनाव करब आ तकर प्रशंसा प्राप्त होयब कठिन छैक, संघर्षपूर्ण छैक, ओकर तुलनामे जे आम दर्शक सिनेमाकेँ मनोरंजन लेल देखैत छैक। समाचारपत्र आ प्रकाशकक ई आन्तरिक उद्देश्य होयबाक चाही जे ओ दोसर वर्गक लोककेँ शिक्षित-विकसित करय। दुनूक लेल एके प्रकारक प्रयास कयल जयबाक चाही। प्रलोभनसँ ऊपर उठब दुनूक लेल समान अछि।''

प्रश्न :

Q.2(i) लेखक कोन दू वस्तुक मध्य तुलना क' रहल छथि ? 10

Q.2(ii) समाचार पत्रक प्रति जनता कोन तरहेँ प्रतिक्रिया अभिव्यक्त करय जे ओकरा लेल विचारशील छैक ? 10

Q.2(iii) लेखक 'इक्विपमेंट'क रूपमे कोन वस्तुक संकेत-सन्दर्भ दे रहल छथि ? 10

Q.2(iv) लेखकक विचारमे समाचार पत्रक लक्ष्य की होयबाक चाही ? 10

Q.2(v) लेखक कोन कोटिक व्यक्तिसँ सहमत नहि छथि ? 10

Q.2(vi) कोन अधलाह प्रवृत्ति समाचार पत्रक गुणवत्ताकेँ प्रभावित क' सकैत छैक ? 10

Q.3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मूल गद्यांशक शब्द संख्यासँ एक तिहाइ शब्द संख्यामे करू। गद्यांशक शीर्षक दैने आवश्यक नहि छथि। शब्द सीमाक अन्तर्गत नहि रहला पर अंक काटल जा सकैत अछि :— 60

एहि समकालीन विश्वमे राष्ट्र आ राष्ट्र-राज्यक (nation and nation-state) अवधारणा मध्य बहुत पैध आ सर्वव्यापी भ्रम व्याप्त छैक। राष्ट्र-राज्यकेँ परिभाषित करब अपेक्षाकृत आसान छैक — ओ विश्व राजनैतिक संगठनक एकटा आधारभूत इकाई छैक। ओ सभ प्राय: सार्वभौम देशक समरूप अछि, ओ सभ एहन इकाई अछि जकरा युनाइटेड नेशन्सक सदस्यता प्राप्त छैक, अंग्रेजीमे ओकरा सभक लेल देश शब्दक प्रयोग कयल जाइत छैक। ई सुविधाजनक होयत यदि हम सभ सोझ शब्दमे ओकरा स्टेट्स (States) कहो, किन्तु ई शब्द दुर्भाग्यसँ किछु देशक छोट इकाई यथा राज्य-प्रान्तक लेल व्यवहृत होइत छैक, ने कि राष्ट्र-राज्यक (nation-state) लेल।

राष्ट्र-राज्य आ सार्वभौम राज्यकेँ एक दर्जा देब स्पृहणीय अछि, किन्तु ई गलत धारणा उत्पन्न क' सकैत अछि, कारण एहि आधुनिक दुनियामे सार्वभौमिकताकेँ उच्च प्रकृतिक प्रवहमान गति द' देल गेल छैक। वस्तुत: प्रत्येक राष्ट्र-राज्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनक समक्ष किछु सीमा धरि आत्मसमर्पण क' देने अछि, एहि संस्था सभकेँ छोड़िओदी त' यू. एन. (U.N.) एकटा अभूतपूर्व उदाहरण अछि एतय जे अपन अधिकार ल' लेलक, लेकिन अधिकार दैत नहि अछि — एहि प्रकारक किछु राज्यसँ सम्बन्ध सम्पर्क बनौने राखबाक लेल एक कठोर आ संगठित व्यूह रचना छैक जे अपन प्रभुत्व प्रदर्शन द्वारा अनुबन्ध करबैत छैक। एक दिस तकर परिणाम ई होइत छैक जे खास-खास पैघ स्टेट्सकेँ अत्यधिक आ व्यापक स्तरक प्रभुत्व द' दैत छैक। दोसर दिस कइयेक छोट स्टेट्स शक्तिशाली पड़ोसी देश आ अन्तर्राष्ट्रीय संगठनक छत्रछायामे आबि जाइछ और स्वतंत्र क्रिया-कलापक वस्तुत: कोनो अवकाश/मार्ग नहि रहि जाइत छैक।

अधिकांश राष्ट्र-राज्य स्वयंकेँ 'नेशन्स' रूपमे उल्लेख करैत छथि, तखन कियेक नहि हमहूँ सभ हुनका ओ ही रूपमे ली आ कही जे नेशन-स्टेट्स आ नेशन्स दुनू एके थीक। ई संभव नहि थिक कियेक त' ओ ध्यान हटयबाकु लेल ई सभ करैत छथि, नेशन-स्टेट्सक वैधानिक रूपसँ परिभाषित अस्तित्व छैक आ नेशन एकटा जनसंख्या थिकै। जखन कि आधुनिक जनसंख्या जे स्वयंकेँ नेशन रूपमे स्वीकार करैत अछि आ सामान्यत: नेशन-स्टेट्सक रूपमे एकटा राष्ट्रक क्षमता-योग्यता प्राप्त कर' चाहैत अछि, एक नेशनक परिभाषा रूपमे जे दावा चाहैत अछि, ओकर अपन नेशन-स्टेट्स अत्यधिक नियंत्रित छैक, अधिकांश प्रतिक्रिया व्यक्त कयनिहार स्वीकार करताह जे पूर्वक सोवियत युनियनक अधिकांश युनियन रिपब्लिक, जेना कि जौर्जियन्स, लिथुआनिन्स आ यूक्रेनियन्स रिपब्लिक्सक पूर्वेसँ स्वतंत्र राष्ट्र रहय और ओ सभ जनसंख्या जे सुपरिभाषित क्षेत्रक स्टेट्स अछि, जेना कि स्कौटलैण्ड, ओ बहुमतसँ विचार करैत छथि जे हुनका सभकेँ नेशन स्टेट्स (nation-states) प्राप्त छथि और हुनका सभकेँ ओही रूपमे स्वीकृति भेटय। दोसर रूपमे एकरा कहब जे स्वायत्तता अथवा स्वतंत्रताक लेल इच्छा करब पर्याप्त अछि।

यद्यपि राजतंत्र सतही तौर पर प्राचीन आ आधुनिक नेशन-स्टेट्सकेँ एकरूपता दैत अछि। सहस्राब्दि पूर्व विश्वक किछु भागमे जेना कि चीन, भारत आ मेडिटेरेनियन बेसिन, ई सभ संगठन मूलरूपमे बहुत प्राचीन भू-भाग छल जे विशिष्ट द्वारा संचालित छल। ई सभ पूर्वक राजतंत्र विकसित भेल आ आधुनिक नेशन-स्टेट्स द्वारा विस्थापित कयल गेल, एखनहुँ शनै: शनै: आधुनिक काल धरि पहचान जीवित अछि ऑस्ट्रो-हंगेरियन, रशियन और ऑटमन शासक जे 1917/1918 धरि जीवित रहि सकलाह, ओ सभ निश्चित रूपसँ वंशवादी शासक रहथि, जतिक जनसंख्यामे सामूहिक राष्ट्रीय पहचान/अस्तित्वक भाव नहि रहैक और सोवियत यूनियन शासक जे 1991 इस्वी धरि वास्तविक अर्थमे कइयेक परम्पराकेँ जीवित रखलनि, कइयेक देशकेँ संवैधानिक रूपसेँ संगठित-एकत्रित राखलनि। सम्प्रति आइओ कइयेक उदाहरण प्रस्तुत करब संभव छैक जतय कि नेशन-स्टेट्स और नेशन्समे योगायोग नहि छैक। अनेक राष्ट्रक सरकार वस्तुत: अपन-अपन नेशन-स्टेट्स राजतन्त्रकेँ नेशन्स रूपमे उल्लिखित करैत छथि, कइयेक राष्ट्र जनसंख्योकेँ धारण करैत तकरा प्रख्यापित कयल, जे राष्ट्रीय पहचानक रूपमे स्वीकृत नहि छैक, ब्रिटेनमे बहुत स्कॉट और वेल्स अनुभव करैत छथि जे ओ स्कॉटिश अथवा वेल्स छथि ने कि बिटिश अथवा हुनका स्कॉटिश-ब्रिटिश या वेल्स-ब्रिटिश राष्ट्रीयता छनि। अरब देशमे बहुत लोक ई अनुभव करैत छथि जे ओ अरब नेशनकवासी छथि, ने कि जेना अधिकांश अरब स्टेट्स स्वयंकेँ इराकसँ मोरक्को और साउथ यमन धरि जोड़ैत परिभाषित करैत छथि।

कइयेक व्यक्तिक लेल राष्ट्र या जाति सम्बन्धी पहचान ततेक मजगूत अछि जे ओ राष्ट्र द्वारा निर्धारित (state oriented) राष्ट्रीय पहचानकेँ समर्पित क' दैत छैक, ओ गौण म' जाइत छैक। एतय प्रथम अमेरिकन (First American) अथवा अफ्रिकनक राष्ट्र या जाति सम्बन्धी समूहक (tribes) उदाहरण देल जा सकैत छैक।

यद्यपि नेशन-स्टेट्स और नेशन्स एक नहि छैक, तथापि दुर घनिष्ठ रूपसँ जुडल छैक। एन्थनी स्मिथ (खासक' Smith 1991 देख्) राष्ट्रकेँ (nations) रूपमे विभक्त करैत छथि, जे मुख्यत: राष्ट्र या जाति सम्बन्धी रूपसँ विकसित भेल, स्वयंकेँ रूपान्तरित कयल, अपन राष्ट्र या जातीय स्वरूपकेँ आगाँ बढ़बैत एक

वृहत् जनसंख्या धरि पहुँचौलनि। और दोसर ओ जे अपन खास राष्ट्रीय भावकेँ राष्ट्रीय पहचान/अस्तित्व रूपमे विकसित कयल आ अपन विविधतासेँ परिपूर्ण जनसंख्याकेँ बहुत ऊपर धरि उठौलनि आ राष्ट्रीय परिवृत्त बनौलनि। **(467 शब्द मे)**

Q.4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू :— **20**

Raman completed school when he was just eleven years old and spent two years studying in his father's college. When he was only thirteen years old, he went to Madras (which is now Chennai) , to join the B.A. course at Presidency College. Besides being young for his class, Raman was also quite unimpressive in appearance and recalls, '.....in the first English class that I attended, Professor E.H. Elliot addressing me, asked if I really belonged to the junior B.A. class, and I had to answer him in the affirmative'. He, however, stunned all the sceptics when he stood first in the B.A. examinations.

Seeing what a brilliant student he was, his teachers asked him to prepare for the Indian Civil Services (ICS) examination. It was a very prestigious examination and very rarely did non-Britishers get through it. Yet Raman had impressed his teachers so much that they urged him to take it up at such an early age. In spite of their student's brilliance, the plan was not to work. Raman had to undergo a medical examination before he could qualify to take the ICS test and the Civil Surgeon of Madras declared him medically unfit to travel to England ! This was the only examination that Raman failed, and he would later remark in his characteristic style about the man who disqualified him, 'I shall ever be grateful to this man,' but at that time, he simply put the attempt behind him and went on to study Physics.

Q.5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजीमे करू :— **20**

टाकाकेँ कोनो रूपमे परिभाषित कयल जा सकैत अछि जे एक दो सराक हाथेँ सहजतासँ क्रय करबाक एक साधन थिक। बदलैन अथवा रूपैआक बदलामे वस्तु देबाक प्रथाकेँ टाकाक उपयोग द्वारा बदलि देल गेल छैक, जकर प्रक्रिया अत्यन्त असुविधाजनक आ कठिन रहैक वस्तुक समान मूल्यांकन ओ विनिमय करबाक लेल, संगहि लेमयबला आ देमयबलाक मध्य लेन-देनक सहमति होयब। विनिमयक सुविधा भेलासँ श्रमिकक श्रम वैशिष्ट्यकेँ टाका सहयोग करैत छैक, जे उत्पादनक आधार छैक, पैध पैमाना पर। टाका कोनो तत्त्वक रूपमे भ' सकै छ अथवा ओहि कोनो रूपमे जकरा कानून अथवा प्रथा-रेवाज द्वारा सहमति होइ, किन्तु एकटा आवश्यक तथ्य ई जे ओ सर्व व्यापक आ सहज रूपमे मान्य होइक। आदिम समाजमे एहि प्रकारक वस्तु सभ रहैक, यथा — मवेशी, शंख, चाउर, चाहक पत्ती — जकर उपयोग अदला-बदलीमे होइत छलैक, किन्तु आधुनिक सभ्य समाजमे प्राय: धातु अथवा कागतक उपयोग एहिलेल होइछ। ई सिक्का अथवा नोटक रूपमे अछि, मुद्राक रूपमे इयह स्पृहणीय छैक। कारण, ई राखबामे आसान टिकाउ, गुणवत्तामे एकसमान आ सभकेँ स्वीकार्य छैक। एहिलेल जे धातु मुख्य रूपसँ प्रयोग कयल जाइछ, ओ थिकै—सोना, चानी, तामा आ निकेल। नोट विभिन्न रूप आ तरीकासँ निर्गत कयल जाइछ।

एकर सभक अतिरिक्त विनिमयक एक माध्यम रूपमे रूपैआ/टाका गुणवत्ताक मापदण्ड थिक, अत: अन्य सभ गुणवत्ताक तुलनामे स्तरीय मानदण्डक रूपसँ अलगसँ अदायगीक लेल राशि — जेना कि ऋण राशि और राशिक संभरण रूपमे। एकटा मुख्य अन्तर छैक स्तरीय (standard) टाका आ टोकेन (Token) टाकामे, आ ओ ई छैक जे कोनो एक वस्तु जकर तुलना दोसरसँ कयल जा सकैत छैक, तकर मूल्यांकन करबाक हेतु। स्तरीय (standard) टाकाक मूल्य वस्तु पर निर्भर करैत छैक किन्तु टोकेन (token) टाका रूपैआक स्थितिमे कानून आ प्रथा-रेवाज द्वारा. निर्धारित अपन मूल्य ल' लैत छैक, एहि बातक ध्यान देने बिना जे एकर तात्त्विक मूल्य की होयतैक।

Q. 6. सभ प्रश्नक उत्तर दिअ :—

Q. 6(a) क्रियाक परिभाषा सोदाहरण लीखू। **10**

Q. 6(b) **पाँच शब्द पर्यायवाची शब्द लीखू :—** **2×5=10**

(i) शाश्वत 2

(ii) पर्यावरण 2

(iii) वन 2

(iv) सूर्य 2

(v) पृथ्वी। 2

Q. 6(c) **कोनो पाँच टाक अनेक शब्दक बदलामे एक शब्द लीखू :—** **2×5=10**

(i) जे तेल पेड़ैत अछि। 2

(ii) जे सभ जनैत अछि। 2

(iii) जकरामे बड़ गुण छैक। 2

(iv) बहुत तेज गतिसँ दौड़य बला। 2

(v) जे नहि सुनैत अछि। 2

Q. 6(d) **निम्नलिखितमे सँ कोनो चारि टाक अर्थ स्पष्ट करैत वाक्यमे प्रयोग करू :—** **2½×4=10**

(i) अलखक चान होयब। 2½

(ii) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू। 2½

(iii) कदुआ पर सितुआ चोख। 2½

(iv) ने तीन मे ने तेरह मे। 2½